संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688 | जिलों से संभाग तक का सच | email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-10 । अंक-20 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 27 अक्टूबर 2026 से 02 नवंबर 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8



वाह रे डीएवीवी! घोटालों के आरोपियों को 'पुरस्कृत' करने का ठेका ले लिया है क्या ?

'संभाग पोस्ट' के खुलासों और जाँच के बावजूद

महर्षि इंस्टीट्यूट को बनाया परीक्षा केंद्र









संभाग पोस्ट लगातार लंबे समय से इस मामले को अपने पटल पर प्रमुखता से उठाता आ रहा है।

23 अक्टूबर की अधिसूचना ने खोली विश्वविद्यालय की पोल!

SPECIAL REPORT

✍ नवीन गलकर

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली अब किसी ढकोसले से कम नहीं बची है, जहाँ पारदर्शिता और निष्पक्षता सिर्फ कागजी जुमले बनकर रह गए हैं। शिक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले संस्थानों पर कार्रवाई करने के बजाय, डीएवीवी उन्हें 'वीवीआईपी ट्रीटमेंट' देने में जुटा है। ताजा और बेहद शर्मनाक मामला इंदौर के कैट रोड स्थित महर्षि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट का है, जिसे तमाम गंभीर शिकायतों, मीडिया खुलासों और प्रशासनिक जाँच के घेरे में होने के बावजूद डीएवीवी ने एमबीए परीक्षाओं का केंद्र बनाकर अपनी मिलीभगत पर मुहर लगा दी है। गौरतलब है कि 'संभाग पोस्ट' ने अपने खुलासों में चीख-चीख कर बताया था कि इसी महर्षि इंस्टीट्यूट परिसर में किस तरह फर्जीवाड़े और महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय की परीक्षा के नाम पर खुलेआम नकल का खेल चलाया गया। मामला जिला प्रशासन और संभाग आयुक्त तक पहुँचा, जाँच दल गठित हुआ, और शिकायतकर्ता ने समिति को पानी पिलाने वाले पुख्ता वीडियो साक्ष्य तक सौंप दिए। अब 23 अक्टूबर 2026 को जारी ताजा अधिसूचना में इसी दागदार महर्षि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट को इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, आइडलिक, मधुवन, संघवी और बी.एम. कॉलेज जैसे संस्थानों के विद्यार्थियों की परीक्षा का केंद्र बना दिया गया है। जनता और छात्र पूछ रहे हैं कि क्या यह फैसला बिना किसी 'अनुचित लेन-देन' के संभव है? जब संस्थान के खिलाफ वीडियो सबूत मौजूद हैं और जाँच चल रही है, तो किस शह पर उसे परीक्षा केंद्र का ताज पहनाया गया? क्या डीएवीवी प्रशासन किसी के दबाव में घुटने टेक चुका है या खुद इस भ्रष्टाचार में शामिल है? विश्वविद्यालय का यह रवैया साफ इशारा करता है कि यहाँ नियमों और छात्रों के भविष्य से ज्यादा माफियाओं के हितों की परवाह की जाती है। शिकायतकर्ता एक बार फिर इस मनमाने और संदेहास्पद फैसले के खिलाफ जोरदार आपत्ति दर्ज कराने की तैयारी में है। अब देखना यह है कि क्या डीएवीवी प्रशासन इस शर्मनाक फैसले पर कोई मुँह खोलेगा, या हमेशा की तरह चुप्पी साधकर भ्रष्टाचार को पालता-पोषता रहेगा?



सुविचार

'हर दिन एक अच्छा विचार पढ़िए, क्योंकि वही विचार आपके कर्मों को दिशा देता है।'

संपादकीय

दिव्यता के दिव्यांग

जापान के आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व पैंतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की झोली में डाले। जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईची-नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं। आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैंसठ पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन, तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी,टेबल-टेनिस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जूझना और फिर एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि 'सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।' कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है, जिसमें दिव्यांगों का जीवन सहज-सरल हो सके। हम उनके जीवन को सहज बना सकने वाली सुविधाएं, उन्हें अब तक उपलब्ध नहीं करा पाए। देश के हर छोटे-बड़े शहर में ऐसी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, जहां पैरा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार सकें। साथ ही सरकार को इन खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने के बजाय ऐसे अवसर उपलब्ध कराने चाहिए, जिससे उनका शेष जीवन सुखमय-सुविधामय हो सके।

मोदी के दिवंगत पिता पर टिप्पणी से गरमाई सियासत

CM मोहन यादव बोले- राजनीतिक विरोध में भी मर्यादा जरूरी

■ **भोपाल । संभाग पोस्ट**

पीएम नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर पटना में की गई टिप्पणी पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए दिवंगत व्यक्तियों और परिजन को राजनीति में घसीटना दुर्भाग्यपूर्ण है। सीएम ने यादव ने कहा कि राजनीति में विचारों का मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन विरोध करते समय भाषा और व्यवहार की मर्यादा बनाए रखना भी जरूरी है। उनके मुताबिक, राजनीतिक मतभेदों के बावजूद सार्वजनिक जीवन में गरिमा और शालीनता का ध्यान रखा जाना चाहिए।



मर्यादित भाषा पर दिया जोर

सीएम ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार लोगों को सम्मानजनक भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने संबंधित टिप्पणी की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि राजनीतिक विरोध के दौरान भी मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है।

जनता इस तरह के व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगी

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के आचरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता इस तरह के व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगी। उनकी यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर पटना में की गई टिप्पणी के संदर्भ में आई है।

रहवासी इलाके में चल रहा था बारूद का धंधा, लाखों के पटाखे मिले

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

दीपावली का त्योहार जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे पुलिस ने अवैध रूप से पटाखे बनाने और उनका संग्रहण करने वालों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज कर दिया है। इसी कड़ी में राजेंद्र नगर पुलिस ने शुक्रवार देर रात पटाखों के एक अवैध गोदाम पर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में विभिन्न कंपनियों के पटाखे जब्त किए हैं और गोदाम के संचालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आनंद विहार कॉलोनी में चल रहा था अवैध गोदाम

जोन 1 के पुलिस उपायुक्त नरेंद्र रावत ने इस पूरी कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली थी कि आनंद विहार कॉलोनी के गेट नंबर 2 के पास बने एक गोदाम में अवैध रूप से पटाखों का भारी भंडारण किया गया है। यह गोदाम एक घनी आबादी वाले रहवासी इलाके में स्थित था, जिसके कारण वहां किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत मामले की जांच करवाई और जानकारी सही पाए जाने पर एक विशेष टीम गठित कर गोदाम पर अचानक छापामार कार्रवाई की।

लाखों के पटाखे बरामद और गोदाम सील

पुलिस की छापेमारी के दौरान गोदाम से कुल 197 कार्टून पटाखे बरामद किए गए। जब्त किए गए इन पटाखों की कुल बाजार कीमत करीब 2 लाख 62 हजार रुपये आंकी गई है। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि इस गोदाम में बिना किसी वैध लाइसेंस और प्रशासनिक अनुमति के पटाखों का भंडारण किया जा रहा था। इतना ही नहीं, यहां से लोडिंग रिक्शाओं के माध्यम से आसपास के इलाकों में पटाखों की अवैध सप्लाई भी की जा रही थी। घनी आबादी के बीच अवैध रूप से चल रहे इस गोदाम के कारण स्थानीय रहवासी किसी बड़ी अनहोनी की आशंका से लगातार डरे हुए थे।

पुलिस आयुक्त के निर्देशों पर लगातार जारी है कार्रवाई

इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोदाम के संचालक रवि को गिरफ्तार कर लिया है। रवि वीर सावरकर नगर का निवासी है। पुलिस ने शुक्रवार रात को ही मौके पर पहुंचकर गोदाम को पूरी तरह से सील कर दिया। आरोपी गोदाम संचालक के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में चल रहे इस तरह के अवैध पटाखों के कारोबार के खिलाफ पुलिस आयुक्त संतोष सिंह द्वारा सख्त निर्देश दिए गए हैं, जिसके चलते आने वाले दिनों में भी विभिन्न स्थानों पर लगातार ऐसी कार्रवाई जारी रहेंगी।

संस्था न्यायाश्रय एवं Law Easy की संयुक्त पहल

युवा अधिवक्ताओं और विधि विद्यार्थियों के लिए शुरू होगी निःशुल्क ऑफलाइन कार्यशाला 'युवा विधि संवाद'

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

कानून की पढ़ाई पूरी करना और एक सफल अधिवक्ता बनना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। न्यायालय में प्रभावी ढंग से अपनी बात रखना, क्लाइंट की समस्या को समझना, आत्मविश्वास के साथ बहस करना और व्यावहारिक कानूनी कौशल विकसित करना प्रत्येक युवा अधिवक्ता के लिए आवश्यक है। इसी उद्देश्य से संस्था न्यायाश्रय एवं Law Easy के संयुक्त तत्वावधान में युवा अधिवक्ताओं और विधि विद्यार्थियों के लिए 'युवा विधि संवाद' (Yuva Vidhi Samvaad) ऑफलाइन वर्कशॉप आयोजित की जा रही है।

इस कार्यशाला का उद्देश्य युवा अधिवक्ताओं और विधि विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक कानूनी प्रशिक्षण, प्रभावी संवाद कौशल और पेशेवर व्यक्तित्व विकास के अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यशाला में प्रतिभागियों को पब्लिक स्पीकिंग, कोर्टरूम कम्युनिकेशन, क्लाइंट काउंसलिंग, लीगल ड्राफ्टिंग एवं प्रेजेंटेशन, व्यावसायिक नैतिकता, कोर्ट एटिकेट और आत्मविश्वास विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यशाला की विशेषता यह होगी कि प्रतिभागियों को केवल सुनने का अवसर नहीं मिलेगा, बल्कि उन्हें अपनी बात रखने, संवाद करने, अभ्यास करने और अपनी कमियों को पहचानकर उनमें सुधार करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इसका उद्देश्य ऐसे युवा विधि पेशेवर तैयार करना है, जो कानून की जानकारी रखने के साथ-साथ उसे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में भी सक्षम हों। यह कार्यशाला पूरी तरह निःशुल्क होगी। प्रतिभागियों से केवल व्यवस्था एवं स्वल्पाहार के लिए रु.100 प्रतिमाह प्रति व्यक्ति का नाममात्र शुल्क लिया जाएगा। छात्रों को कक्षा में उपलब्ध माइक, डायस एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि वे वास्तविक मंच पर बोलने और अपनी प्रस्तुति देने का अभ्यास कर सकें। कार्यशाला प्रत्येक सप्ताह एक दिन आयोजित की जाएगी। शनिवार को न्यायालय बंद रहने पर शनिवार को तथा न्यायालय खुला रहने पर रविवार को कक्षा आयोजित की जाएगी। समय सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक रहेगा। कार्यशाला का आयोजन Law Easy Classes, 403, वाइब्रेंट टावर, मनोरमागंज, इंदौर में किया जाएगा, पंजीयन एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: 94240 44769

इंदौरः पानी बर्बाद करने वालों की खैर नहीं, अब सीधे घर पर कटेगा चालान



■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर शहर में जल संरक्षण को बढ़ावा देने और पीने योग्य पानी की बर्बादी पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने अब सख्ती का रुख अपना लिया है। निगम प्रशासन की नई योजना के तहत जल व्यर्थ करने वाले नागरिकों पर निगरानी रखी जाएगी। शुरुआती दौर में लापरवाही बरतने वाले रहवासियों को समझाइश दी जाएगी, लेकिन सुधार न होने पर वीडियो साक्ष्य बनाकर चालानी कार्रवाई की जाएगी। इसी कड़ी में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर नागरिकों से पानी सहेजने का आग्रह किया।

महापौर ने विभिन्न क्षेत्रों का किया दौरा

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार को शहर की विभिन्न बस्तियों और कॉलोनियों का दौरा किया। उन्होंने पार्श्वनाथ, विनय नगर, जैन कॉलोनी और लोकमान्य नगर के निवासियों से संवाद साधा। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी गर्मी के मौसम में जल की मांग काफी बढ़ जाती है, इसलिए अभी से पानी की बचत करना आवश्यक है। यदि जल की बर्बादी नहीं रुकी तो इसका सीधा दुष्प्रभाव पूरे शहर की व्यवस्था पर पड़ेगा। भविष्य के संभावित जल संकट से बचने के लिए हर नागरिक को अपनी दैनिक आवश्यकता अनुसार ही जल का उपयोग करना होगा।

नियम उल्लंघन पर वीडियो साक्ष्य के साथ कटेगा चालान

अभियान की समीक्षा करते हुए महापौर ने क्षेत्र में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की टीमों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने निर्देश दिया कि पानी बर्बाद करने वाले लोगों को शुरुआत में 2 से 3 बार चेतावनी दी जाए। यदि चेतावनी के बाद भी बर्बादी जारी रहती है, तो संबंधित व्यक्ति का वीडियो बनाकर नियम अनुसार चालान बनाया जाए। इस कदम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में जिम्मेदारी का अहसास कराना और बेवजह पानी के उपयोग पर नियंत्रण पाना है।

आरओ वेस्ट वाटर के पुनः उपयोग की सलाह

जल संरक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए महापौर ने घरों में इस्तेमाल होने वाले आरओ प्यूरीफायर से निकलने वाले वेस्ट वाटर के उचित प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि इस जल को फेंकने के बजाय पौधों की सिंचाई, वाहनों की धुलाई और कपड़ों की सफाई जैसे घरेलू कार्यों में उपयोग में लाएं। इससे शुद्ध पेयजल की बर्बादी रुकेगी और उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन संभव हो सकेगा।

दीपावली तक चलेगा विशेष निगरानी अभियान

नगर निगम ने इस विशेष अभियान को दीपावली तक जारी रखने का निर्णय लिया है। महापौर ने एनजीओ टीम को दीपावली तक का विस्तृत चार्ट तैयार कर नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जिन इलाकों में अनियंत्रित हरी घास उगी हुई है, वहां 2-2 दिन की समय-सीमा तय कर कटाई का कार्य पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। इस अवसर पर जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू', पार्षद योगेश गेदर और निगम के जोनल अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ड्राइवर की 51 प्रॉपर्टी मिलीं, 68 करोड़ रुपए कीमत, अब ईडी कस सकती है शिकंजा



■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर में पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल (ड्राइवर) फिरोज खान से जुड़ी आय से अधिक संपत्ति की जांच में 51 अचल संपत्तियां मिली हैं। इन संपत्तियों का अनुमानित बाजार मूल्य 68 करोड़ रुपए से अधिक आंका गया है। इतने बड़े पैमाने पर संपत्ति उजागर होने के बाद अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईं) के भी आगे जांच करने की संभावना बन रही है। हालांकि, कानूनी प्रक्रिया के अनुसार लोकायुक्त की विवेचना पूरी होने और कोर्ट में चालान पेश होने के बाद ही ईडी की कार्रवाई आगे बढ़ने की संभावना है, ताकि जांच एजेंसी के पास ठोस आधार उपलब्ध हो सके। फिलहाल, लोकायुक्त की टीम सभी संपत्तियों के दस्तावेजों, बैंक खातों और निवेश के विभिन्न स्रोतों की गहन पड़ताल में जुटी हुई है। जांच के दौरान मुख्य रूप से यह पता लगाया जाएगा कि ये तमाम संपत्तियां भ्रष्टाचार के माध्यम से अर्जित रकम से खरीदी गईं या नहीं, और क्या उस काली कमाई को दूसरे लोगों अथवा कंपनियों के नाम पर रखकर उसके वास्तविक स्रोत को छिपाने का प्रयास किया गया था।

सरकारी सेवा में रहते हुए बनाई अकूत संपत्ति

फिरोज खान ने अपनी सरकारी सेवा के दौरान निर्धारित आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक राशि अर्जित की। उनके द्वारा बनाई गई कुल संपत्तियों की बाजार में अनुमानित कीमत 68 करोड़ रुपए पाई गई है। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से जमीन के बड़े-बड़े सौदे किए और कई कंपनियां भी खड़ी कीं। कानूनी प्रावधानों के अनुसार, यदि जांच के दौरान मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत आवश्यक शर्तें पूरी होती पाई जाती हैं, तो प्रवर्तन निदेशालय (ED) इस मामले को अपने हाथ में लेकर जांच कर सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि केवल संपत्तियों का अत्यधिक मूल्य सामने आना या आय से अधिक संपत्ति का आरोप लगना अपने आप में मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध साबित नहीं करता है।

बेनामी संपत्तियों और अन्य लोगों के नाम दर्ज भूखंडों की जांच

लोकायुक्त द्वारा की गई अब तक की जांच में कुल 51 अचल संपत्तियों का खुलासा हुआ है, जिनका कुल अनुमानित बाजार मूल्य 68.01 करोड़ रुपए बताया गया है। इन संपत्तियों में आरोपी के परिवार के सदस्यों, उनके परिचितों तथा संबंधित कंपनियों के नाम पर दर्ज संपत्तियां भी जांच के घेरे में हैं। हाल ही में देवास जिले के राजोदा गांव में 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि दो महिलाओं रोशनी वर्मा और रानू कुशवाह के नाम पर दर्ज पाई गई। इस जमीन का सरकारी पंजीयन मूल्य करीब 1.65 करोड़ रुपए तथा अनुमानित बाजार मूल्य 2.30 करोड़ रुपए बताया गया है। इस तरह के मामलों में ईडी के लिए यह पता लगाना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि जमीन की खरीद के लिए वित्तीय भुगतान किसने किया, किस बैंक खाते से लेन-देन हुआ, संबंधित महिलाओं की आय के स्रोत क्या हैं और उस संपत्ति पर वास्तविक नियंत्रण किसका है। कानूनी दृष्टिकोण से केवल किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर संपत्ति दर्ज होने से यह सीधे तौर पर सिद्ध नहीं होता कि वह बेनामी है या उसका संबंध किसी अपराध से है। इसके लिए वित्तीय लेन-देन और अन्य पुख्ता साक्ष्यों का न्यायिक परीक्षण आवश्यक होगा। यदि इन तमाम पहलुओं पर पर्याप्त कानूनी आधार मिलते हैं, तो ईडी नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संपत्ति की पहचान, अस्थायी कुर्की और अभियोजन की प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकता है।

रवि बनकर जुनैद ने हिंदू महिला को प्रेम जाल में फंसाया, गर्भवती होने पर खुला राज

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र में एक बेहद सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है, जहां एक आरोपी ने अपनी पहचान छिपाकर एक महिला को अपने प्रेम जाल में फंसाया और उसका कई वर्षों तक शारीरिक शोषण किया। इसके साथ ही आरोपी पर महिला के चार साल के बेटे के साथ भी अप्राकृतिक कृत्य करने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए रविवार रात को ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ऑटो चालक ने बदला नाम और धर्मः पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मुकेरीपुरा नरसिंह बाजार की रहने वाली 28 वर्षीय पीड़िता की मुलाकात वर्ष 2015 में एक ऑटो ड्राइवर से हुई थी। पीड़िता जब राजवाड़ा खरीदारी करने गई थी और अन्नपूर्णा क्षेत्र स्थित अपने घर लौटने के लिए ऑटो की तलाश कर रही थी, तब आरोपी ने खुद का नाम रवि बताया और मुस्लिम धर्म तथा अपनी असली पहचान छिपा ली। इसके बाद आरोपी ने महिला से फोन पर संपर्क बनाए रखा और उसे शादी का झांसा देकर इंदौर के कई अलग-अलग इलाकों जैसे कालानी नगर, चंदन नगर, जूना रिसाला और महावर नगर में किराए के कमरे लेकर लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा।

वर्ष 2021 में खुला सच और दस्तावेजों में बदलावः यह खौफनाक सिलसिला तब सामने आया जब वर्ष 2021 में पीड़िता गर्भवती हुई और उसने आरोपी पर शादी करने के लिए दबाव बनाना शुरू किया। दबाव बढ़ने पर आरोपी ने आखिरकार सच कबूल किया कि उसका असली नाम रवि नहीं बल्कि जुनैद है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने धोखाधड़ी करते हुए उसके पहचान पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेजों में भी नाम बदलवा दिया था ताकि किसी को शक न हो।

मासूम बच्चे के साथ कुकर्म के बाद महिला ने ली हिंद रक्षक संगठन की मददः पीड़िता ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि आरोपी जुनैद ने उसके चार साल के मासूम बेटे के साथ घर पर गलत कृत्य किया, जिसकी जानकारी बच्चे ने खुद रोते हुए अपनी मां को दी। आरोपी महिला और बच्चे के साथ आए दिन मारपीट भी करता था और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था। तंग आकर पीड़िता हिंद रक्षक संगठन के संरक्षक एकलव्य गौड़ के पास पहुंची, जिन्होंने अधिकारियों से फोन पर बात कर पीड़िता को थाना भेजा। पुलिस ने रविवार रात शिकायत दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और सोमवार को अदालत में पीड़िता के बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

अधूरी तैयारियों पर भड़के कलेक्टरः एसडीएम-तहसीलदारों को लगाई फटकार; बैठक बीच में छोड़कर चले गए

■ इंदौर । संभाग पोस्ट
राजस्व मामलों में लापरवाही और लंबित प्रकरणों को लेकर इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने शनिवार को अधिकारियों की समीक्षा बैठक में सख्त रुख अपनाया। कई एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के कामकाज में कमियां सामने आने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई।

बैठक बीच में ही छोड़कर चले गए

अधिकारियों की अधूरी तैयारी से नाराज होकर वे बैठक बीच में ही छोड़कर चले गए। बाद में उन्होंने अपर कलेक्टरों को बुलाकर लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। कुछ अधिकारियों को नोटिस जारी करने और एक तहसीलदार के खिलाफ विभागीय जांच का प्रस्ताव भेजने की जानकारी भी सामने आई।

अधूरी तैयारी देख भड़के कलेक्टर

इंदौर कलेक्टोरेट में आयोजित बैठक में राजस्व विभाग के लंबित मामलों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जा रही थी। इस दौरान कुछ अधिकारी अधूरे कामों को लेकर स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए। कई मामलों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ बैठक में आने के निर्देश दिए। इसके बाद वे बैठक छोड़कर अपने चेंबर में चले गए और अपर कलेक्टर पंवार नवजीवन विजय तथा रिकेश वैश्य को बुलाकर लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद समीक्षा बैठक दोबारा शुरू हुई।

देपालपुर में स्वामित्व योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी

बैठक में देपालपुर एसडीएम चरणजीत सिंह हुड्डा के क्षेत्र में चल रहे कामकाज की समीक्षा की गई। जानकारी के मुताबिक, पटवारियों की पदस्थापना के बावजूद स्वामित्व योजना का काम अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रहा था। संबंधित नायब तहसीलदार के स्तर पर भी प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर कलेक्टर ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए स्पष्ट किया कि सरकारी योजनाओं और राजस्व प्रकरणों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

महू तहसीलदार के खिलाफ विभागीय जांच का प्रस्ताव

महू तहसीलदार विवेक सोनी के कामकाज पर भी सवाल उठे। बैठक में एक रजिस्ट्री से जुड़े नामांतरण प्रकरण को दो बार खारिज किए जाने का मामला सामने आया। बताया गया कि दोनों बार प्रकरण खारिज करने के लिए दिए गए कारणों पर सवाल उठे थे। कलेक्टर ने इस मामले में नाराजगी जताई। अपर कलेक्टर पंवार नवजीवन विजय ने जानकारी दी कि तहसीलदार सोनी के खिलाफ विभागीय जांच का प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

हातोद तहसीलदार को नोटिस, नायब तहसीलदार के वेतन में कटौती

हातोद तहसीलदार संगीता गोलिया के दो मामलों में न्यायालयीन प्रक्रिया दर्ज नहीं किए जाने की बात सामने आई। इसके कारण प्रकरण लंबे समय से लंबित थे। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं, नायब तहसीलदार चोखेलाल टाक के कामकाज पर भी नाराजगी जताई गई। उनके वेतन में कटौती करने के आदेश दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

अपर कलेक्टर ने भी लगाई फटकार

कलेक्टर को मुख्यमंत्री के ट्रांजिट विजिट के कारण बैठक से जाना पड़ा। इसके बाद समीक्षा की जिम्मेदारी अपर कलेक्टर पंवार नवजीवन विजय ने संभाली।उन्होंने तहसीलदार नारायण नांदेड़ा से लंबित कामों को लेकर जवाब मांगा। पंवार ने कहा कि बार-बार काम पूरा करने का आश्वासन देने के बावजूद प्रकरण लंबित बने हुए हैं। मल्हारगंज तहसीलदार शेखर चौधरी के कामकाज पर भी नाराजगी जताते हुए उनकी तहसील की प्रगति पर सवाल उठाए।

ऑनलाइन रिकॉर्ड का हवाला देकर जवाबदेही तय करने की चेतावनी

अपर कलेक्टर रिकेश वैश्य ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि उनके कामकाज का रिकॉर्ड उपलब्ध है और ई-गवर्नेंस के दौर में हर गतिविधि की जानकारी ऑनलाइन दर्ज होती है। ऐसे में काम पूरे नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में लोकायुक्त से जुड़े मामलों की बढ़ती संख्या और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर भी चिंता जताई गई। अधिकारियों को अपनी कार्यप्रणाली सुधारने और लंबित मामलों का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

राजस्व विभाग में अब कामकाज की नियमित निगरानी

समीक्षा बैठक से स्पष्ट संकेत मिला कि जिला प्रशासन लंबित राजस्व प्रकरणों और सरकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर अधिकारियों से जवाब मांग रहा है। नोटिस, वेतन कटौती और विभागीय जांच जैसे कदमों के जरिए जवाबदेही तय करने पर जोर दिया जा रहा है।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७०प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

- समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
- ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
- ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
- हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
- हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
- जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
- यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
- अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
- हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

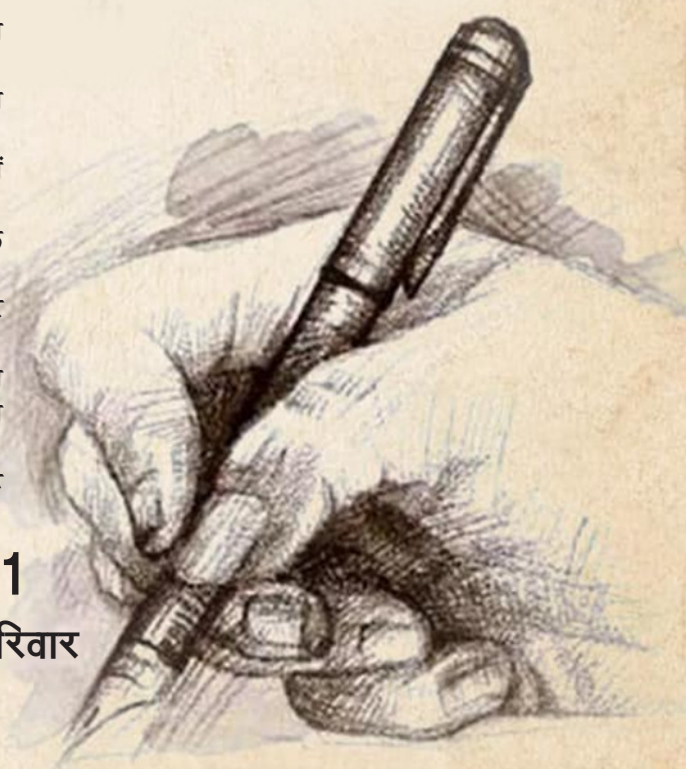

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

नारी अस्मिता की गूंज बना आज की द्रौपदी



इंदौर में पांचवीं बार मंचन को मिला सराहनीय प्रतिसाद

सारिका दीक्षित के प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों को किया भाव विभोर

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर। पौराणिक कथा के माध्यम से समकालीन समाज की सच्चाई को मंच पर उतारता नाटक आज की द्रौपदी इंदौर में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। नारी अस्मिता, आत्मसम्मान और न्याय के सवालों को केंद्र में रखकर तैयार इस नाटक का एक ही वर्ष में पांचवीं बार मंचन हुआ। लगातार मिल रहा दर्शकों का प्रतिसाद इसकी लोकप्रियता को रेखांकित करता है।

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मंचन में द्रौपदी के किरदार में सारिका दीक्षित ने अपने प्रभावशाली अभिनय और सशक्त संवादों से दर्शकों को बांधे रखा। महाभारत के प्रसंगों को वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों से जोड़ते हुए नाटक ने यह संदेश दिया कि नारी केवल सहनशीलता की प्रतीक नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने वाली शक्ति भी है।

द्रौपदी के चीरहरण का प्रसंग और अन्याय के विरुद्ध उसके सवालों ने दर्शकों को भावुक कर दिया। दुशासन की भूमिका में मिलिंद मूले ने अपने प्रभावशाली अभिनय और सशक्त मंचीय अभिव्यक्ति से प्रसंग को जीवंत बनाया। वहीं, डॉ. पंकज उपाध्याय ने श्रीकृष्ण की भूमिका में गंभीरता और प्रभावपूर्ण प्रस्तुति के साथ नाटक को महत्वपूर्ण भावनात्मक आयाम दिया। द्रौपदी के अपमान के प्रसंग में श्रीकृष्ण की उपस्थिति न्याय, आस्था और नारी गरिमा की रक्षा के संदेश को सशक्त रूप से सामने लाती है। सारिका दीक्षित, मिलिंद मूले और डॉ. पंकज उपाध्याय की भूमिकाओं ने मिलकर नाटक के प्रभाव को और गहरा बनाया तथा दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़े रखा। नाटक की सफलता का आधार इसकी समसामयिक विषयवस्तु और प्रभावी मंच प्रस्तुति है। पौराणिक पात्र के माध्यम से आज की महिला के संघर्ष, स्वाभिमान और न्याय की आकांक्षा को अभिव्यक्त करने का प्रयास दर्शकों से जुड़ता नजर आया। इस कार्यक्रम का आयोजन संतोष क्रांति फाउंडेशन के बैनर तले आर्ट ऑफ क्रिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आयोजन में एसआईओडी/एमपीएसओएस का विशेष सहयोग रहा।

मंच के पीछे की टीम

नाटक की लेखक एवं परिकल्पनाकार सारिका दीक्षित हैं। प्रोड्यूसर एवं मैनेजमेंट विनोद सिंह तथा निर्देशक डॉ. पंकज उपाध्याय हैं। सारिका दीक्षित ने द्रौपदी, मिलिंद मूले ने दुशासन और डॉ. पंकज उपाध्याय ने श्रीकृष्ण की भूमिका निभाई। लाइट डायरेक्शन देव सिंह, स्क्रीनप्ले विनोद सिंह, संगीत निर्देशन अज़हर कुरैशी, मेकअप अमृता दीक्षित, हेयर निधि वर्मा और ड्रेस स्टाइलिंग वर्षा उपाध्याय ने संभाली। बैकस्टेज में सार्थक उपाध्याय, संदीप मीना एवं रोबिन तथा फोटोग्राफी में नितेश एवं रोबिन का योगदान रहा। यह जानकारी जयसिंह रघुवंशी ने दी।

इंदौर में श्री साईं बाबा का विशाल भंडारा संपन्न

सैकड़ों भक्तों ने ग्रहण की भोजन प्रसादी

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में श्री साईं बाबा का विशाल भंडारा रविवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। प्रेस कॉम्प्लेक्स स्थित शनिवार दर्पण कार्यालय (दैनिक भास्कर के पास) आयोजित इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों की तादाद में साईं भक्तों ने पहुंचकर भोजन प्रसादी ग्रहण की



और बाबा का आशीर्वाद लिया। भंडारे के आयोजक एवं श्री साईं बाबा के परम भक्त राजेश मंगल (उद्योगपति, प्रधान संपादक, शनिवार दर्पण) ने सपरिवार सेवा भाव के साथ भक्तों को भोजन प्रसादी वितरित की। आयोजन के दौरान भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने साईं बाबा के जयकारों के साथ प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर शिरडी के श्री साईं बाबा का एक परिशिष्ट का भी प्रकाशन किया गया, जो भक्तों को वितरित किया गया। आयोजन का उद्देश्य श्रद्धा, सेवा और समर्पण के माध्यम से साईं बाबा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

इवेंट मशीन की चिंगारी ने मचाया कहर!

दादा के हाथ झुलसे, पोते के चेहरे और गले पर चोट

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

शहर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के नंदा नगर में एक अजीबोगरीब हादसा सामने आया है। यहां पड़ोसी द्वारा नई इवेंट मशीन चलाकर जांचने के दौरान निकली आग की चिंगारी की चपेट में आने से बुजुर्ग दादा और उनका 12 वर्षीय पोता झुलस गए। हादसे में बुजुर्ग के दोनों हाथों के बाल झुलस गए, जबकि बच्चे के दोनों हाथ, चेहरा, गला और आंखों के आसपास चोटें आई हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने पड़ोसी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर से निकलते ही आग की चिंगारी की चपेट में आए

पुलिस के अनुसार, नंदा नगर निवासी रमेशचंद्र पिता कन्हैयालाल जायसवाल अपने 12 वर्षीय पोते रुद्र को फुटबॉल दिलाने के लिए घर से बाहर निकले थे। दोनों घर से बाहर आए ही थे कि अचानक आग की तेज चिंगारी उनकी तरफ आई। इसकी चपेट में आने से दादा और पोता दोनों झुलस गए।अचानक हुए इस हादसे से दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना के बाद परिवार को बच्चे की चोटों को लेकर चिंता हुई। हादसे में बुजुर्ग रमेशचंद्र के दोनों हाथों के बाल झुलस गए, जबकि रुद्र के चेहरे, गले और आंखों के आसपास चोटें आईं।

पड़ोसी नई मशीन चलाकर कर रहा था जांच

घटना के बाद रमेशचंद्र ने आसपास जानकारी जुटाई। इस दौरान पता चला कि उनके पड़ोस में रहने वाला तुषार पिता विजय कोली इवेंट का काम करता है। वह हाल ही में नई मशीन खरीदकर लाया था और घटना के समय घर के बाहर ही उसे चलाकर जांच रहा था।आरोप है कि मशीन चलाने के दौरान उससे आग की चिंगारी निकली, जो दादा-पोते तक पहुंच गई। इस लापरवाही के कारण दोनों इसकी चपेट में आकर झुलस गए। हालांकि, मशीन से चिंगारी निकलने की परिस्थितियों और हादसे के सटीक कारणों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

बच्चे के चेहरे और आंखों के पास आई चोट

इस हादसे में 12 वर्षीय रुद्र को शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। उसके दोनों हाथों के अलावा चेहरा, गला और आंखों के आसपास का हिस्सा भी प्रभावित हुआ है। वहीं, दादा रमेशचंद्र के दोनों हाथों के बाल झुलस गए।फुटबॉल दिलाने के लिए घर से निकले दादा-पोते के साथ हुए इस हादसे ने परिवार को चिंता में डाल दिया। घटना के बाद मशीनों को चलाते समय सुरक्षा इंतजामों और सावधानी बरतने की जरूरत पर भी सवाल उठे हैं।

शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

परदेशीपुरा थाना पुलिस के मुताबिक, रमेशचंद्र जायसवाल की शिकायत पर तुषार कोली के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।



लड़कियों का घर से बाहर निकलना ही सबसे बड़ा संघर्ष, समाज उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करे' : विश्व चैंपियन स्वीटी बूरा





बड़वाह कॉलेज में प्रेरक संवाद; कहा— 'मेरे १०० मेडलों में १०० कहानियां हैं, लक्ष्य के लिए अंतिम सांस तक प्रयास करो'

■ **बड़वाह । संभाग पोस्ट**

स्थानीय शासकीय महाविद्यालय में विश्व बॉक्सिंग चैंपियन स्वीटी बूरा के मुख्य आतिथ्य में एक विशेष प्रेरणादायक संवाद सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, अटूट समर्पण और खेल भावना के जरिए जीवन में मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वीटी बूरा ने महिला सशक्तिकरण और समाज की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, 'लड़कियों के लिए घर से बाहर निकलना ही सबसे बड़ा स्ट्रगल (संघर्ष) होता है। समाज के सभी लोगों को लड़कियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।' अपने खेल सफर और उपलब्धियों को साझा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, 'मेरे 100 मेडलों में 100 कहानियां हैं। जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए मरने तक का भी प्रयास करना चाहिए।' उन्होंने युवाओं, विशेषकर छात्राओं से कहा कि सफलता आसानी से नहीं मिलती; उसके पीछे कड़ी तपस्या, त्याग और हर हाल में टिके रहने का जज्बा जरूरी होता है।

कार्यक्रम के आरंभ में जनभागीदारी समिति के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र सुराना ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने विश्व चैंपियन स्वीटी बूरा का स्वागत करते हुए कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय विजेता का बड़वाह आकर युवाओं से सीधे रूबरू होना क्षेत्र की नई पीढ़ी में असीम ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करेगा । आज का विद्यार्थी कल का नागरिक है । आप सबको 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करना है ।

सत्र के दौरान उपस्थित छात्राओं ने स्वीटी बूरा से खेल, फिटनेस और मानसिक मजबूती से जुड़े सवाल पूछे, जिनका उन्होंने बड़े ही आत्मीय भाव से समाधान किया। विद्यार्थियों में चैंपियन के साथ सेल्फी लेने का भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में विशेष रूप से निमाड़ क्षेत्र की उभरती छात्रा क्रिकेट खिलाड़ियों ने भी स्वीटी बूरा से मुलाकात कर खेल जगत में आगे बढ़ने के गुर सीखे।

इस अवसर पर जनभागीदारी समिति के सदस्य रवि,रमेश विजयवर्गीय,राजेंद्र राठौड़ , अमीत जोशी और एन.एस. सोलंकी,गणेश चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य अरविंद श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश केतवास ने किया।

सुनील पांडरे जज के रूप में देंगे सेवाएँ

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**



न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल के योग प्रशिक्षक सुनील पांडरे को ऑल इंडिया योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप-2026 में जज के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 29 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक पलवल, हरियाणा में आयोजित की जाएगी। सुनील पांडरे योग के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में कई खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया गया है। योगासन के प्रशिक्षण एवं खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया जाना उनके अनुभव और योग के प्रति समर्पण को दर्शाता है। इनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार एवं खेलप्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए प्रतियोगिता में सफलतापूर्वक अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए शुभकामनाएँ दी हैं ।



एमरल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल के 8 खिलाड़ी राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में करेंगे प्रतिनिधित्व

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

एमरल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर के लिए गौरव का विषय है कि विद्यालय के आठ खिलाड़ियों का चयन 70वीं राष्ट्रीय शालेय हैंडबॉल 14 वर्ष बालक वर्ग प्रतियोगिता–2026 के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 27 से 31 अक्टूबर 2026 तक उमरिया (मध्य प्रदेश) में आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में मौलिक मेहता, पार्थ कालड़ा, अव्यंश जैन, प्रारब्ध गट्टाणी, नमन फेरवानी, हुसैन मालूभाईवाला, अथर्व ढोली एवं एडी चाँदनी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इन सभी खिलाड़ियों ने इससे पूर्व IPSC (Indian Public Schools' Conference) की राष्ट्रीय स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया था। अब ये खिलाड़ी राष्ट्रीय शालेय प्रतियोगिता में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए गोविंद शिंदे को टीम का कोच नियुक्त किया गया है। विद्यालय के डायरेक्टर श्री मुक्तेश सिंह एवं खेल अधिकारी श्री अकरम खान ने सभी चयनित खिलाड़ियों और कोच को शुभकामनाएँ देते हुए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा स्वर्णिम सफलता की कामना की है।

राजनीति में अमर्यादित भाषा का प्रयोग कांग्रेस की गिरती राजनीतिक मर्यादा और संस्कारहीनता का प्रमाण

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

सांसद प्रतिनिधि डॉ. संतोष वाधवानी ने बताया कि लगातार चुनावी हार से बौखलाई कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वर्गीय पिताजी के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग कांग्रेस की गिरती राजनीतिक मर्यादा और संस्कारहीनता का प्रमाण है। कभी पिता, कभी माता - क्या कांग्रेस की राजनीति अब व्यक्तिगत अपमान तक ही सिमटकर रह गई है? अपनी नाकामियों पर आत्मचिंतन करने के बजाय अपशब्दों का सहारा लेना कांग्रेस की हताशा दर्शाता है। कांग्रेस याद रखे, यह नया भारत है, जहाँ जनता अपमान और अहंकार का जवाब अपने जनादेश से देती है। ओछी राजनीति से सत्ता नहीं, केवल जनता की नाराजगी मिलती है!



डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिक: 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पता: हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

शुद्ध माते की मिठाइयों के निर्माता एवं विक्रेता
श्री चारभुजा
स्वीट्स एवं नमकीन
गुलाब जामुन, मावाबाटी, काला जामुन, रसगुल्ला इत्यादि
662/9, नेहरू नगर, अटल द्वार, इन्दौर
शाखा : 60, न्यू देवास रोड, राजकुमार ब्रिज, इंदौर

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा
बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802



संघ के 100 साल पूरे

इंदौर की बस्तियों में गूंजा घोष; अनुशासित कदमताल के साथ निकला पथ संचलन

इंदौर। संभाग पोस्ट

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विजयादशमी पर इंदौर में बस्ती स्तर पर पथ संचलन आयोजित किया गया। शहर के चार जिलों की करीब 800 बस्तियों में हुए इन आयोजनों में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक शामिल हुए। कई क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवक निर्धारित मार्गों पर अनुशासित कतारों में कदम से कदम मिलाकर चलते नजर आए। भगवा ध्वज को गुरु मानने की संघ परंपरा के अनुरूप स्वयंसेवकों ने संचलन में भाग लिया। इस दौरान ध्वनि घोष दल भी शामिल रहे। घोष की धुनों के बीच एकसमान कदमताल आयोजन का प्रमुख आकर्षण रही। शहर की विभिन्न बस्तियों में निकले पथ संचलन का स्थानीय रहवासियों ने कई स्थानों पर फूल बरसाकर स्वागत किया। पूरे आयोजन के दौरान स्वयंसेवकों की एकजुटता और अनुशासन देखने को मिला। बस्ती स्तर पर हुए इन कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

संघ के १०० वर्ष पूरे होने पर विशेष आयोजन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन हुई थी। स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के कारण इस वर्ष विजयादशमी पर आयोजित पथ संचलन का विशेष महत्व रहा। संघ की प्रमुख परंपराओं में शामिल इस आयोजन के माध्यम से स्वयंसेवक अनुशासन, संगठन और सामाजिक एकजुटता का संदेश देते हैं। इंदौर के चार जिलों की विभिन्न बस्तियों में आयोजित पथ संचलन में स्वयंसेवकों की व्यापक भागीदारी देखने को मिली। भगवा ध्वज और घोष दलों के साथ निकले संचलन ने संघ के शताब्दी वर्ष के आयोजनों को विशेष स्वरूप दिया।

संघ को बताया संस्कृति का आधार

आकाश विजयवर्गीय ने कहा, 'यूनान, मिस्र, रोमां सब मिट गए जहां से, बाकी मगर है अब तक नामो-निशां हमारा, कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।'

उन्होंने कहा कि यूनान और मिस्र जैसी सभ्यताएं या तो ईसाइयत में या इस्लाम में परिवर्तित हो गईं, लेकिन भारत आज भी सनातन धर्म और हिंदुत्व को मानने वाला देश है।

आकाश विजयवर्गीय बोले- अलग-अलग कालखंडों में अलग-अलग लोगों ने अपनी भूमिका निभाई। जैसे महाराजा शिवाजी ने अपनी भूमिका निभाई, वैसे ही आज के समय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघ की वजह से ही हिंदुस्तान रहेगा और भविष्य में परम वैभव तक पहुंचेगा।संघ भारत की एकता और अखंडता बनाए रखने का काम करता है।













संभाग पोस्ट

267 करोड़ खर्च के बाद भी धूल, गड्ढे और घंटों ट्रैफिक जाम, कब शुरू होंगे ये 4 फ्लायओवर?



■ इंदौर । संभाग पोस्ट

शहर के यातायात को सुगम बनाने और ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से शुरू किए गए 4 सिक्स लेन फ्लायओवर का निर्माण कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। वर्ष 2023-24 में 267 करोड़ रुपये की लागत से मूसाखेड़ी, क्रिस्टल आईटी पार्क, देवास नाका और सत्यसाईं चौराहे पर फ्लायओवर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था। वर्तमान स्थिति यह है कि किसी फ्लायओवर का 40 प्रतिशत तो किसी का 45 प्रतिशत काम अभी भी अधूरा है। इन निर्माण कार्यों की आधिकारिक समय सीमा दिसंबर-2026 निर्धारित है, परंतु अभी गर्डर, डेक स्लैब, एप्रोच रोड, डामरीकरण और सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण काम बाकी हैं। कार्य की मौजूदा गति को देखते हुए यातायात सुचारू होने में 2027 तक का समय लग सकता है।

निर्माण स्थलों पर सर्विस रोड की दुर्दशा और जाम की समस्या

वर्तमान में मूसाखेड़ी में 65 प्रतिशत, देवास नाका में 70 प्रतिशत, सत्यसाईं में 60 प्रतिशत और क्रिस्टल आईटी पार्क फ्लायओवर का केवल 55 प्रतिशत निर्माण ही पूरा हो सका है। निर्माण कार्य के कारण सर्विस रोड पर उड़ती धूल, गड्ढे और संकरी सड़कों की वजह से वाहन चालकों को रोजाना जूझना पड़ रहा है। व्यस्त समय में इन सभी चौराहों पर भीषण जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

देवास नाका: औद्योगिक क्षेत्र में ट्रैफिक डायवर्जन की बाधा

देवास नाका फ्लायओवर का 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। देवास नाका से मांगलिया मार्ग की ओर अतिक्रमण हटाकर सर्विस रोड का काम पूरा कर लिया गया है, लेकिन कुछ प्रमुख हिस्सों में निर्माण जारी रखने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन की अनुमति मिलना शेष है। डायवर्जन की अनुमति न मिलने से काम प्रभावित हुआ है। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण भारी वाहनों के अत्यधिक दबाव से यहां लगातार जाम लग रहा है।

सत्य साईं चौराहा: पाइपलाइन शिफ्टिंग के बाद गर्डर का काम जारी

सत्यसाईं फ्लायओवर का 60 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। शुरुआत में पाइपलाइन शिफ्टिंग के कारण काम में रुकावट आई थी, जिसे अब सुलझा लिया गया है। फिलहाल मुख्य सड़क पर बैरिकेडिंग कर गर्डर लॉन्चिंग और पिलर निर्माण का काम जारी है। बॉम्बे हॉस्पिटल और विजय नगर क्षेत्र को जोड़ने वाले इस मार्ग पर सुबह और शाम के वक्त वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं।

मूसाखेड़ी चौराहा: ट्रैफिक की सबसे अधिक उलझन

मूसाखेड़ी फ्लायओवर का अब तक 65 प्रतिशत कार्य संपन्न हुआ है। निर्माण के दौरान रास्ते में आने वाले तीन टॉयलेट ब्लॉक, चौराहे पर स्थित मूर्ति और अन्य अतिक्रमणों को हटाया गया, जबकि मंदिरों को अस्थायी रूप से स्थानांतरित कर कार्य आगे बढ़ाया गया। लगभग 35 प्रतिशत कार्य शेष होने के कारण इस मार्ग पर सबसे अधिक यातायात बाधित हो रहा है और आम जनता को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

क्रिस्टल आईटी पार्क: विविध तकनीकी समस्याओं से प्रभावित हुआ काम

क्रिस्टल आईटी पार्क फ्लायओवर का कार्य सबसे धीमा है और केवल 55 प्रतिशत ही हो पाया है। प्रारंभिक चरण में आईसीएआर की भूमि हस्तांतरण, एआईसीटीएसएल की साइट हैंडओवर तथा अवंतिका गैस की पाइपलाइन शिफ्टिंग जैसे मुद्दों के कारण काम में देरी हुई। इस क्षेत्र से आईटी पार्क की ओर आवाजाही करने वाले लोगों को व्यस्त समय में अत्यधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

निर्धारित समय सीमा में निर्माण पूरा होने पर प्रश्नचिह्न

शहर के प्रसिद्ध आर्किटेक्ट और प्रशासन के कई प्रोजेक्ट में सलाहकार रहे अतुल सेठ बताते हैं कि फ्लायओवर निर्माण में केवल पिलर खड़े करना ही पर्याप्त नहीं होता। गर्डर कास्टिंग, लॉन्चिंग, सुपर स्ट्रक्चर, डेक स्लैब, एप्रोच रोड, डामरीकरण और सुरक्षा बैरियर जैसे अनेक कार्य का समय पर होना महत्व रखता है। यदि निर्माण की रफ्तार में तेजी नहीं लाई गई तो दिसंबर की तय समय सीमा में काम पूरा होना असंभव है और आम जनता को इन फ्लायओवर की पूरी सुविधा 2027 में ही मिल पाएगी।

इंदौर मेट्रो: उजड़ने लगे हजारों तोतों के बसेरे

रानी सराय में पेड़ों पर चलने लगी आरी



■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के रीगल तिराहे पर स्थित रानी सराय परिसर में मेट्रो के अंडरग्राउंड स्टेशन के निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली है। परिसर में रविवार से ड्रिलिंग और पेड़ों की छंटाई का काम तेजी से प्रारंभ कर दिया गया है। मेट्रो परियोजना के चलते यहां स्थित लगभग 200 पुराने पेड़ों को काटने और ट्रांसप्लांट करने की प्रक्रिया चल रही है।

पक्षी वैज्ञानिकों की निगरानी और ट्रांसप्लांट का दावा: रानी सराय परिसर के घने वृक्ष लंबे समय से हजारों तोतों का आशियाना रहे हैं। पर्यावरणविदों द्वारा इस कटाई का विरोध किए जाने के बाद मामला उच्च न्यायालय पहुंचा था। न्यायालय ने पक्षी वैज्ञानिकों की निगरानी में पेड़ों की कटाई और छंटाई की अनुमति प्रदान की है। प्रशासन का दावा है कि पेड़ों की छंटाई के दौरान तनों को सुरक्षित रखा जा रहा है ताकि उन्हें दूसरी जगह ट्रांसप्लांट करके जीवित रखा जा सके।

हाई कोर्ट के आदेश के उल्लंघन का आरोप: दूसरी ओर पर्यावरणविदों ने मेट्रो कॉरपोरेशन पर उच्च न्यायालय के आदेश का पालन न करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि डबल बेंच ने निर्देश दिया था कि पक्षी वैज्ञानिकों की नियुक्ति मामले में इंटरवेनर पद्मश्री भालचंद्र मोढ़े के सुझाव पर की जाएगी। पर्यावरणविदों का दावा है कि इस तय प्रक्रिया को पूरा किए बिना ही कॉरपोरेशन ने पेड़ों की छंटाई शुरू कर दी है।

जन आंदोलनों और संस्थाओं का विरोध: रानी सराय के ऐतिहासिक वृक्षों को बचाने के लिए शहर की कई सामाजिक संस्थाओं ने लंबे समय तक संघर्ष किया है। पेड़ों को कटने से बचाने के लिए रीगल तिराहे पर कई प्रदर्शन आयोजित किए गए थे, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया था। इसके अतिरिक्त जनहित पार्टी के संस्थापक अभय जैन ने परिसर में 1 महीने तक धरना भी दिया था। इन जन आंदोलनों के बावजूद अब मेट्रो निर्माण के लिए कटाई की कार्रवाई जारी है।

कार्यालय पता: 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक: नवीन गलकर, मो. 9009919948